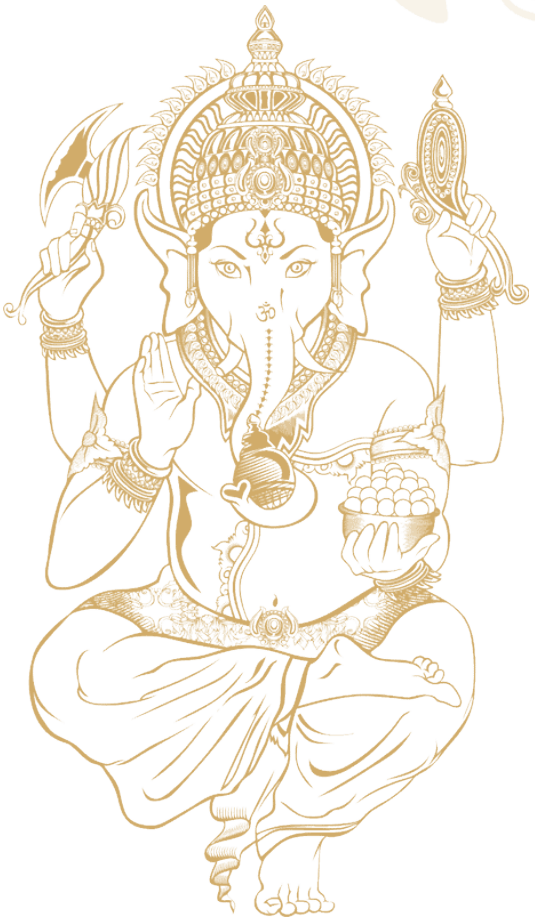

Mr.H

Ms.V K P

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119883003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1996	जन्म तिथि	19-20/07/1998
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 16:35:00	जन्म समय	05:22:00 घंटे
घटी 26:25:08	जन्म समय(घटी)	59:24:37 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Delhi
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:56	सूर्योदय	05:35:06
18:22:54	सूर्यास्त	19:19:18
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 3मा 8दि	23:38:27	मक	लग्न	मिथु	29:28:55	चन्द्र 4वर्ष 3मा 2दि
राहु	27:07:10	सिंह	सूर्य	कर्क	03:15:30	राहु
22/12/2016	02:43:31	कन्या	चंद्र	वृष	17:39:30	21/10/2009
23/12/2034	08:27:22	कर्क	मंगल	मिथु	15:18:47	22/10/2027
राहु 04/09/2019	05:14:51	कन्या व	बुध	कर्क	29:42:32	राहु 03/07/2012
गुरु 28/01/2022	14:09:43	धनु	गुरु व	मीन	04:13:08	गुरु 27/11/2014
शनि 04/12/2024	12:55:22	कर्क	शुक्र	मिथु	06:35:45	शनि 03/10/2017
बुध 23/06/2027	11:10:43	मीन व	शनि	मेष	09:10:36	बुध 21/04/2020
केतु 11/07/2028	14:10:03	कन्या व	राहु व	सिंह	08:06:51	केतु 10/05/2021
शुक्र 12/07/2031	14:10:03	मीन व	केतु व	कुंभ	08:06:51	शुक्र 09/05/2024
सूर्य 04/06/2032	07:06:58	मक व	हर्ष व	मक	17:29:42	सूर्य 03/04/2025
चन्द्र 04/12/2033	01:18:33	मक व	नेप व	मक	07:02:30	चन्द्र 03/10/2026
मंगल 23/12/2034	06:50:32	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:39:32	मंगल 22/10/2027

लग्न-चलित

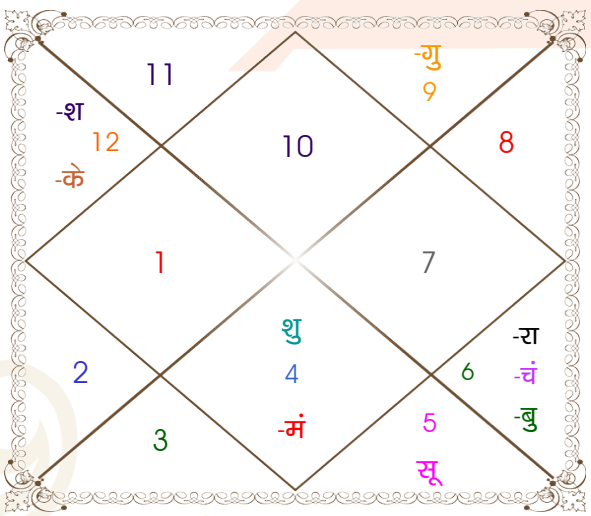

लग्न-चलित

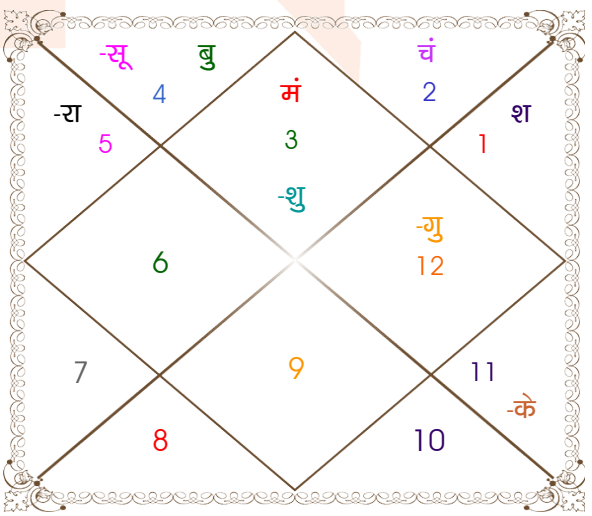

GWD
Lucknow
7007355085
vkupadhyay@yahoo.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.H का वर्ग श्वान है तथा डेण्ट ज्ञ च का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.H और डेण्ट ज्ञ च का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.H मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.H कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.H कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ट ज्ञ च मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्ट ज्ञ ट कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.H कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.H तथा डेण्ट ज्ञ ट में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।